

माँ वैष्णवी

माँ शोक दुःख निवारिणी, हे सर्व मंगल कारिणी ।
हे चंड-मुंड विदारिणी, तू ही शुम्भ-निशुम्भ संघारिणी ॥

हे महिष-दानव मर्दिनी, काली है तू ही कपालिनी ।
हे माँ तू श्रृष्टि सृजन करे, तू ही दानवों का कलन करे ॥

दुर्गा तू ही लक्ष्मी तू ही, तू ही सरस्वती का स्वरूप है ।
कण-कण में तू ही समाई है, तू ही छाँव है तू ही धूप है ॥

हे चिन्तपुरनी नमोस्तुते, हे ज्वाला देवी नमोस्तुते ।
माँ शेरवाली नमोस्तुते, चामुंडा देवी नमोस्तुते ॥

कामख्या देवी नमोस्तुते, मीनाक्षी देवी नमोस्तुते ।
हे सर्व शक्ति नमोस्तुते, तू ही योग-भक्ति नमोस्तुते ॥

नमोस्तुते, नमोस्तुते, नमोस्तुते, नमोस्तुते ...

MaaVaishnavi.com